आउटकम बजट 2021–22

विभाग का नामः–पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड

विभाग के अर्न्तगत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0ः–(Goal-2: Zero Hunger)

(धनराशि लाख रू0 में)

क्रं0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले/बजट (लाख रू०) (2021–22)		1.04.2020 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021–22	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
केन्द्र पोषित योजना–			राजस्व	पूंजीगत					
1	उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद– 50 प्र.के.पो.	राज्य में पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना।	**14.95**	**0.00**	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नया पंजीकरणः–69 नवीनीकरण–80	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नवीनीकरण–70 स्थायी पंजीकरण– 80	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरण। नवीनीकरण/स्थायी पंजीकरण /अस्थाई पंजीकरण	पशुचिकित्साविदों हेतु वैधानिक संस्था का गठन कर उत्तराखण्ड़ के पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना।	निरन्तर
2	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के.पो.)	रिन्डरपेंस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंस करना।	**8.80**	**0.00**	ग्राम सर्विलंस–4617 डेबुक निरीक्षण–8846	ग्राम सर्विलंस–8417	डेबुक निरीक्षण तथा ग्राम सर्विलेंस कार्यक्रम।	प्रदेश को आर.पी. रोग से मुक्त रखना (शून्य इन्सीडेन्स)।	निरन्तर
3	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (90 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु लाजिस्टिकस वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन।	**81.00**	**0.00**	HS-3.47 लाख, BQ-1.34 लाख, ARV-0.83 लाख, FP-0.59 लाख, RD-1.28 लाख।	HS-4.00 लाख, BQ-2.00 लाख, ARV-1.00 लाख, FP-1.00 लाख, RD-1.00 लाख।	190 ब्लाकस्तर एंव 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन / टीकाकरण।	1.प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं की चिकित्सा कर उनका उत्पादन बढाना। 3. पशुपालकों में संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता।	निरन्तर
4	पशु रोग सूचना तंत्र (100 प्र.के.स.)	ब्लाक स्तर से राष्ट्र स्तर पर सूचनाओं का इन्टरनेट के माध्यम से प्रेषण।	**4.00**	**0.00**	पशु रोग संबंधी त्वरित सूचनाओं का राष्ट्रीय स्तर पर संवहन तथा शीघ्र रोग की रोकथाम। सूचना संवहन–94कार्यरत।	सूचना संवहन–95	95 ब्लाक स्तरीय 13 जनपद स्तरीय 02 राज्य स्तरीय कार्यालयों में ब्राड बैण्ड सुविधायुक्त कम्प्यूटर की उपलब्धता।	पशु रोग सम्बन्धी त्वरित सूचनाओं का राष्ट्रीय स्तर पर संवहन तथा शीघ्र रोग की रोकथाम। सूचना संवहन–95 ब्लाक।	निरन्तर

5	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एंव सुदृढीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण कर अवस्थापना विकास।	**13.50**	**18.00**	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	पशुचिकित्सालयों /पशुऔषधालयों के भवननिर्माण /सुदृढीकरण –03	पशु चिकित्सालयों /पशुऔषधालयों के भवन निर्माण/ सुदृढीकरण।	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	निरन्तर
6	ब्रूसेला रोग नियंत्रण की योजना–90 प्र. के.स.	ब्रूसैला रोग नियंत्रण।	**0.00**	**0.00**	जनेटिक महत्व के ब्रूसेला का रोग नियंत्रण।	National Animal Disease Control Programme के अर्न्तगत।	रोग नियंत्रण।	जनेटिक महत्व के ब्रूसेला का रोग नियंत्रण।	निरन्तर
7	पशुधन स्वास्थ्य व रोग नियंत्रण कार्यक्रम –90 प्र.के.स.	पी.पी.आर रोग पर नियंत्रण।	**46.80**	**0.00**	पी0 पी0 आर0–8.60 लाख	पी0 पी0 आर0 –10.00 लाख	रोग नियंत्रण।	भेड एवं बकरियों की मृत्यु दर में नियंत्रण कर उत्पादकता में वृद्धि।	निरन्तर
8	खुरपका मुँहपका रोगों पर नियंत्रण की योजना	एफ0एम0डी0 रोग पर नियंत्रण	**0.00**	**0.00**	पशु टीकाकरण–38.95 लाख	National Animal Disease Control Programme के अर्न्तगत।	एफ0एम0डी0 रोग नियंत्रण।	मुंहपका–खुरपका रोग से संक्रमित पशुओं को टीकाकरण के माध्यम से बचाव करना।	निरन्तर
9	नेशनल पशुधन मिशन– के0स0	नेशनल पशुधन मिशन का संचालन।	**1249.26**	**0.00**	पशुओं का बीमा–5692 चारा विकास –01 हे0। मदर पोल्ट्री–23 इनोवेटिव पोल्ट्री (लाभार्थी)–360	पशुओं का बीमा–101866 चारा विकास–10 मदर पोल्ट्री–03 इनोवेटिव पोल्ट्री (लाभार्थी)–40	पशुओं का बीमा, इनोवेटिव पोल्ट्री प्रोडक्टिवटी, चारा विकास, ।	रिस्क मैनेजमेन्ट (पशु बीमा) चारा विकास, कौशल विकास, मदर कुक्कुट पालन इकाई स्थापना।	निरन्तर
10	प्रदेश में 20वीं पशुगणना का कार्य 100 प्र.के.स.	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन।	**0.03**	**0.00**	राज्य में 20वीं पशुधन संगणना का कार्य सम्पन्न ।	राज्य में 20वीं पशुधन संगणना का कार्य सम्पन्न।	20वीं पशुधन संगणना के आकड़ें का राज्य कें विभिन्न योजनाओं में उपयोग।	विभिन्न कार्यकमों हेतु पशु संख्या संबंधी ऑकडे एकत्रित करना तथा उनका उपयोग राज्य विकास हेतु करना।	निरन्तर

11	सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना	पशुजन्य उत्पादों के अनुमानों का ऑगणन।	**112.03**	**0.00**	27 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही स्वदेशी गाय–2.242 कि0ग्रा0 ।वार्षिक अण्डा उत्पादन प्रति मुर्गी–221 ।वार्षिक ऊन उत्पादन प्रति भेड़– 1.574 कि0ग्रा0 । मॉस उत्पादन प्रति बकरी–15.248कि0ग्रा0 । दुग्ध उत्पादन–1844. 968 ह०मी०टन । अण्डा उत्पादन–4786. 300 लाख संख्या ।मीट उत्पादन–252.604 लाख कि०ग्रा० ।ऊन उत्पादन–496.686 ह०कि०ग्रा० ।	27 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2020–21 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2126 ह0मी0टन। अण्डा उत्पादन–4861 लाख संख्या। ऊन उत्पादन– 480 ह0कि0ग्रा0। मीट उत्पादन– 314 लाख कि0ग्रा0।	27 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2021–22 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2254 ह0मी0टन ।अण्डा उत्पादन–5007 लाख संख्या ।ऊन उत्पादन– 526ह0कि0ग्रा0 ।मीट उत्पादन– 320 लाख कि0ग्रा0।	योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना।	निरन्तर
12	राष्ट्रीय देशी जेनोमिक केन्द्र	देशी नस्ल की प्रजाति का संवर्धन व संरक्षण का कार्य।	**0.01**	**0.00**	–	––	––	देशी प्रजाति के संरक्षण व संरक्षण हेतु न्यूक्लियस हर्ड को व्यवस्थित करना।	निरन्तर
13	नकुल स्वास्थ्य पत्र	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	**17.17**	**0.00**	हेल्थ कार्ड–1.08 लाख, टैग–1.08 लाख,	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	पशुओं की पहचान व स्वास्थ्य की जानकारी सैक्स सार्टेड सीमन विधि से।	निरन्तर
14	लिंग वर्गीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र	मादा संतति के उत्पादन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि	**632.41**	**0.00**	स्ट्रो उत्पादन–2.13 लाख स्ट्रो वितरण–0.513 लाख	स्ट्रा उत्पादन– 3.00 लाख स्ट्रो वितरण – 3.00 लाख कृत्रिम गर्भाधान –3.00लाख	03 लाख स्ट्रा उत्पादन कर कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	पशुओं का नस्ल सुधार करना। कृत्रिम गर्भाधान से अधिक मादा संतति उत्पन्न होने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
	योग (केन्द्र पोषित योजना)		**2179.96**	**18.00**					

राज्य सैक्टरः–									
1	निदेशालय (अधिष्ठान)	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/ पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यो का संचालन।	**23270.11**	**0.00**	लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्सा–37.17 लाख। बधियाकरण–1.51 लाख। बड़े पशुओं में दवापान–2.91 लाख। कृत्रिम गर्भाधान–7.48 लाख। कृ0 गर्भा0 से उत्पन्न संतति–3.49 लाख। भेड़ों में दवापान–7.41 लाख। भेड़ों में दवास्नान–7.17 लाख।	लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्सा –38.00 लाख। बधियाकरण–1.6 लाख। बड़े पशुओं में दवापान–1.90 लाख। कृत्रिम गर्भाधान–7.668 लाख। कृ0 गर्भा0 से उत्पन्न संतति– 2.817 लाख। भेड़ों में दवापान–7.50 लाख। भेड़ों में दवास्नान–7.50 लाख।	लगभग 3120 कार्मिकों का अधिष्ठान	राज्य के पशुचिकित्सालयों व औषधालय में भेड़, पशुधन, सूकर, बकरी प्रक्षेत्रों व संस्थाओं के नैतिक कार्यों का संचालन व उपचार तथा रोग नियंत्रण से उत्पादकता में वृद्धि ।	निरन्तर
2	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	स्टेट ऑफ आर्ट के अर्न्तगत (पशुचिकित्सालय का निर्माण)	**0.00**	**5.00**	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण–01	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण	एक वर्ष
3	पशु चिकित्सालयों, पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना।	**50.00**	**0.00**	पशु सेवा केन्द्र – 02	पशु चिकित्सालय –02	01 पशु सेवा केन्द्रों को विभागीय भवनों में व्यवस्थित करना, अवस्थापना विकास।	विभागीय भवनों में आधुनिक उपकरण स्थापित कर आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	एक वर्ष
4	ब्लाक स्तर पर विभिन्न पशु चिकित्सालयों का संचालन एवं क्रियान्वयन	पशु चिकित्सालयों में आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता	**0.02**	**0.00**	––	17 पशुचिकित्सालयों में आधुनिकीकरण ।	पशुचिकित्सालयों में अल्ट्रासाउन्ड आदि की सुविधा	पशुओं की आधुनिक तकनीकी से चिकित्सा कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर

5	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत पशुधन बीमा योजना का संचालन		**0.00**	**0.00**	––	––			निरन्तर
6	उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद– 50 प्र.के.पो.	राज्य में पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना।	**10.12**	**0.00**	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नया पंजीकरणः–69 नवीनीकरण–80	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नवीनीकरण–70 स्थायी पंजीकरण– 80	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरण। नवीनीकरण/स्थायी पंजीकरण /अस्थाई पंजीकरण	पशुचिकित्साविदों हेतु वैधानिक संस्था का गठन कर उत्तराखण्ड़ के पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना।	निरन्तर
7	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के.पो.)	रिन्डरपेंस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंस करना।	**0.20**	**0.00**	ग्राम सर्विलंस–4617 डेबुक निरीक्षण–8846	ग्राम सर्विलंस–8417	डेबुक निरीक्षण तथा ग्राम सर्विलेंस कार्यक्रम।	प्रदेश को आर.पी. रोग से मुक्त रखना (शून्य इन्सीडेन्स)।	निरन्तर
8	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (90 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु लाजिस्टिकस वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन।	**9.45**	**0.00**	HS-3.47 लाख, BQ-1.34 लाख, ARV-0.83 लाख, FP-0.59 लाख, RD-1.28 लाख।	HS-4.00 लाख, BQ-2.00 लाख, ARV-1.00 लाख, FP-1.00 लाख, RD-1.00 लाख।	190 ब्लाकस्तर एंव 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन / टीकाकरण।	1.प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं की चिकित्सा कर उनका उत्पादन बढाना। 3. पशुपालकों में संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता।	निरन्तर
9	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एंव सुदृढीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण कर अवस्थापना विकास।	**1.60**	**2.10**	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	पशुचिकित्सालयों /पशुऔषधालयों के भवननिर्माण /सुदृढीकरण –03	पशु चिकित्सालयों /पशुऔषधालयों के भवन निर्माण/ सुदृढीकरण।	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	निरन्तर
10	पशुधन स्वास्थ्य व रोग नियंत्रण कार्यक्रम –90 प्र. के.स.	पी.पी.आर रोग पर नियंत्रण।	**5.60**	**0.00**	पी0 पी0 आर0–8.60 लाख	पी0 पी0 आर0 –10.00 लाख	रोग नियंत्रण।	भेड एवं बकरियों की मृत्यु दर में नियंत्रण कर उत्पादकता में वृद्धि।	निरन्तर
11	नेशनल पशुधन मिशन– के0स0	नेशनल पशुधन मिशन का संचालन।	**146.15**	**0.00**	पशुओं का बीमा–5692 चारा विकास –01 हे0 मदर पोल्ट्री–23 इनोवेटिव पोल्ट्री (लाभार्थी)–360	पशुओं का बीमा–101866 चारा विकास–10 मदर पोल्ट्री–03 इनोवेटिव पोल्ट्री (लाभार्थी)–40	पशुओं का बीमा, इनोवेटिव पोल्ट्री प्रोडक्टिवटी, चारा विकास, ।	रिस्क मैनेजमेन्ट (पशु बीमा) चारा विकास, कौशल विकास, मदर कुक्कुट पालन इकाई स्थापना।	निरन्तर

12	नकुल स्वास्थ्य पत्र	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	**2.06**	**0.00**	हेल्थ कार्ड–1.08 लाख, टैग–1.08 लाख,	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	पशुओं की पहचान व स्वास्थ्य की जानकारी सैक्स सार्टेड सीमन विधि से	निरन्तर
13	पशुपालकों को लिंग वर्गीकृत वीर्य हेतु अनुदान	सैक्स सार्टेड सीमन में पशुपालकों को अनुदान उपलब्ध करना	**1000.00**	**0.00**	2.12 लाख सैक्स सार्टेड सीमन के उत्पादन ।	स्ट्रो उत्पादन– 3.00 लाख स्ट्रो वितरण – 3.00 लाख कृत्रिम गर्भाधान –3.00लाख	3 लाख सैक्स सार्टेड सीमन के उत्पादन ।	कृत्रिम गर्भाधान से मादा संतति उत्पन्न। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
14	परजीवी कृमियों से बचाव	रोग नियंत्रण	**0.01**	**0.00**	44.13 लाख पशुओं में प्रत्येक चरण में परजीवी नाशक दवा का उपयोग।	27.00 लाख पशुओं में प्रत्येक चरण में परजीवी नाशक दवा का उपयोग।	27.00 लाख पशुओं में प्रत्येक चरण में परजीवी नाशक दवा का उपयोग।	पशु स्वस्थ होने से पशुपालक की आर्थिकी में सुधार व दुग्ध /मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
15	पैरावेट को कृत्रिम गर्भाधान प्रोत्साहन योजना	प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता को नस्ल सुधार कार्यक्रम हेतु प्रोत्साहित करना	**150.00**	**0.00**	प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता संख्या–609	कार्यरत प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता संख्या–610		कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुओं में सुधार ।	निरन्तर
16	लिंग वर्गीकृत वीर्य उत्पादन	मादा संतति के उत्पादन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि	**68.37**	**0.00**	स्ट्रो उत्पादन–2.13 लाख स्ट्रो वितरण–0.513 लाख	स्ट्रा उत्पादन– 3.00 लाख स्ट्रो वितरण – 3.00 लाख कृत्रिम गर्भाधान –3.00लाख	03 लाख स्ट्रा उत्पादन कर कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	पशुओं का नस्ल सुधार करना। कृत्रिम गर्भाधान से अधिक मादा संतति उत्पन्न होने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
17	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमण से बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा रोग नियंत्रण।	**20.00**	**0.00**	आकस्मिक/आपदा/विशेष क्षेत्र में किसी बिमारी के फैलने की स्थिति में होने वाला व्यय।	आकस्मिक/आपदा /विशेष क्षेत्र में किसी बिमारी के फैलने की स्थिति में होने वाला व्यय।	आकस्मिकता की स्थिति हेतु जीवन रक्षक औषधि इत्यादि का क्रय व भण्डारण।	प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना।	निरन्तर
18	गौसदनों की स्थापना–	निराश्रित/गौवंशीय पशुओं को संरक्षण प्रदान करना।	**250.00**	**0.00**	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था – 26	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था – 29 भरणपोषण हेतु अनुदान प्राप्त पंजीकरण गौसदन–29	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं, गौसदनों के पशुओं के भरणपोषण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना।	बीमार, अशक्त, पशुओं को उचित शरणस्थली प्रदान करना तथा दुर्धटना आदि को रोकना जनस्वास्थ्य एवं यातायात को प्रभावित होने से रोकना, गौवंश संरक्षण।	निरन्तर

19	महिला बकरी पालन योजना	अशक्त, विधवा महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**105.00**	**0.00**	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि। 224 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि।358 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	300 महिला बकरी पालन इकाईयों की स्थापना।	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
20	बकरी पालन योजना	लोगों को बकरी पालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**330.12**	**0.00**	बकरी पालन ईकाई की स्थापना – 434	बकरी पालन ईकाई की स्थापना – 517	524 लाभार्थियों को बकरी पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	बकरी पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
21	भेड़ पालन योजना	लोगों को भेड़ पालन की ओरप्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**83.16**	**0.00**	भेड पालन ईकाई की स्थापना – 149	भेड पालन ईकाई की स्थापना –148	132 लाभार्थियों को भेड़ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	भेड पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही ऊन, में वृद्वि करना। मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
22	गो पालन योजना	लोगों को गौपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**221.76**	**0.00**	गौ पालन ईकाई की स्थापना – 660	गौ पालन ईकाई की स्थापना – 674	616 लाभार्थियों को गौ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	गौ पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
23	चारा बैंकों (भण्डारण एंव वितरण गृह) की स्थापना	न्याय पंचायत स्तर पर संपीडित सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना।	**69.21**	**0.00**	09 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना।	03 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना।	04 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना करना।	सुपाच्य संपीडित चारा निकटस्थ स्थान पर उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
24	नाबार्ड पोषित योजनायें	03 भेड़ प्रक्षेत्रों, हीफर रिपेरिंग सेंटर व प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना व सुदृढ़ीकरण/ आधुनिकीकरण	**500.00**	**700.00**	03 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र 01 हीफर केन्द्र 01 प्रशिक्षण केन्द्र	03 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र 01 हीफर केन्द्र 01 प्रशिक्षण केन्द्र	03 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण एक हीफर केन्द्र व एक प्रशिक्षण केन्द्र, पशुरोग नियंत्रण प्रयोगशला व वैटरिनरी रैफरल कम ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना।	प्रक्षेत्रों का आधुनिकीकरण एवं आधुनिकतम तकनीक का प्रशिक्षण से विभागीय कार्यों को गति प्रदान करना।	निरन्तर

25	सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना	पशुजन्य उत्पादों के अनुमानों का ऑगणन।	**0.01**	**0.00**	27 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही स्वदेशी गाय–2.242 कि0ग्रा0 ।वार्षिक अण्डा उत्पादन प्रति मुर्गी–221 ।वार्षिक ऊन उत्पादन प्रति भेड़–1.574 कि0ग्रा0 । मॉस उत्पादन प्रति बकरी–15.248कि0ग्रा0 । दुग्ध उत्पादन–1844.968 ह०मी०टन । अण्डा उत्पादन–4786.300 लाख संख्या ।मीट उत्पादन–252.604 लाख कि०ग्रा० ।ऊन उत्पादन–496.686 ह०कि०ग्रा० ।	27 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2020–21 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2126 ह0मी0टन। अण्डा उत्पादन–4861 लाख संख्या। ऊन उत्पादन–480 ह0कि0ग्रा0। मीट उत्पादन–314 लाख कि0ग्रा0।	27 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2021–22 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2254 ह0मी0टन ।अण्डा उत्पादन–5007 लाख संख्या ।ऊन उत्पादन–526ह0कि0ग्रा0 ।मीट उत्पादन– 320 लाख कि0ग्रा0।	योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना।	निरन्तर
	योग (राज्य सैक्टर)		**26292.95**	**707.10**					
कुल योग – (केन्द्र पोषित एवं राज्य सैक्टर योजना)			**28472.91**	**725.10**					

पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का सतत विकास के लक्ष्य (वर्ष 2021–22)

क्रं0 सं0	SDG संकेतक Sustainable Development Goals: Goal-2: Zero Hunger Indicators:			1.4.2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) वर्ष 2021–22	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) वर्ष 2021–22
1	उत्कृष्ट(**Elite**) पशुओं/ पक्षियों की संख्या में वृद्धि	कृत्रिम गर्भाधान से वत्स उत्पन्न	गाय	2.41 लाख	2.45 लाख	2.73 लाख	पशुओं का नस्ल सुधार करना। कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।
			भैस	1.10 लाख	1.05 लाख	1.17 लाख	
		कुक्कुट–राजकीय प्रक्षेत्रों में चूजा उत्पादन		6.92 लाख	10.18 लाख	10.18 लाख	राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्रों के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को चूजा वितरण कर उनके आर्थिक में वृद्धि करना।
2	Increasing Productivity of Wool per animal per year (ऊन उत्पादन में वृद्धि प्रति भेड प्रति वर्ष)			1.574 कि०ग्रा० प्रति भेड,	1.690 कि०ग्रा० प्रति भेड,	1.850 कि०ग्रा० प्रति भेड	राज्य के वर्ष 2021–22 के पशुजन्य उत्पादों के ऑकडों को भारत सरकार की तकनीकि समिति (TCD) द्वारा माह अप्रैल 2022 के पश्चात सम्पादित बैठक में अंतिम रूप दिया जाना है।
3	Increasing Productivity of Milk per Animal per day (दुग्ध उत्पादन में वृद्धि प्रति पशु प्रतिदिन)	(a)Indigenous Cow (स्थानीय गाय)		2.242 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	2.360 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	2.426 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	
		(b)Crossbred Cow (क्रास ब्रीड गाय)		7.297 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	7.341 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	7.450 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	
		(c)Total Cow(कुल गाय)		4.541 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	4.667 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	4.820 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	
		(d)Buffalo (भैस)		4.737कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	4.777 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	4.835 कि०ग्रा० प्रति पशु प्रति दिन	
4	Increasing Productivity of Meat per animal. (मांस उत्पादन में वृद्धि प्रति पशु)	(a)Goat (बकरी)		15.248 कि०ग्रा० प्रति पशु	16.478 कि०ग्रा० प्रति पशु	16.500 कि०ग्रा० प्रति पशु	
		(b)sheep (भेड)		15.370 कि०ग्रा० प्रति पशु	15.456 कि०ग्रा० प्रति पशु	15.480 कि०ग्रा० प्रति पशु	
		(c)Poultry (कुक्कुट)		1.193 कि०ग्रा० प्रति पशु	1.210 कि०ग्रा० प्रति पशु	1.232 कि०ग्रा० प्रति पशु	
5	Increasing Productivity of Egg per bird per year. (अण्डा उत्पादन में वृद्धि प्रति पक्षी प्रति वर्ष)			221 अण्डे प्रति पक्षी प्रति वर्ष	222 अण्डे प्रति पक्षी प्रति वर्ष	224 अण्डे प्रति पक्षी प्रति वर्ष	
6	Increasing Cattle & Buffaloes covered under Artificial Insemination(AI) (कृत्रिम गर्भाधान से गाय एवं भैसों आच्छादन)			31.28 प्रतिशत	35.32 प्रतिशत	39.35 प्रतिशत	पशुओं का नस्ल सुधार करना। कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।
7	Increasing Cattle & Buffaloes covered under Artificial Insemination(AI) by Sex sorted semen (सैक्स सार्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान द्वारा गाय एवं भैसों में आच्छादन)			2.56 प्रतिशत	3.31 प्रतिशत	4.11 प्रतिशत	सैक्स सार्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक मादा संतति उत्पन्न होने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।